The Second coming of the Lord Jesus Christ

&

Judgement

The Lord Jesus Christ has promised us:

"Do not let your hearts be troubled. You believe in God, believe also in me. My Father's house has many rooms; if that were not so, would I have told you that I am going there to prepare a place for you? And if I go and prepare a place for you, I will come back and take you to be with me that you also may be where I am" (Jn.14:1-3).

तुम्हारा मन व्याकुल न हो, तुम परमेश्वर पर विश्वास रखते हो मुझ पर भी विश्वास रखो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते, तो मैं तुम से कह देता क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं। और यदि मैं जा कर तुम्हारे लिये ज़गह तैयार करूं, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो।

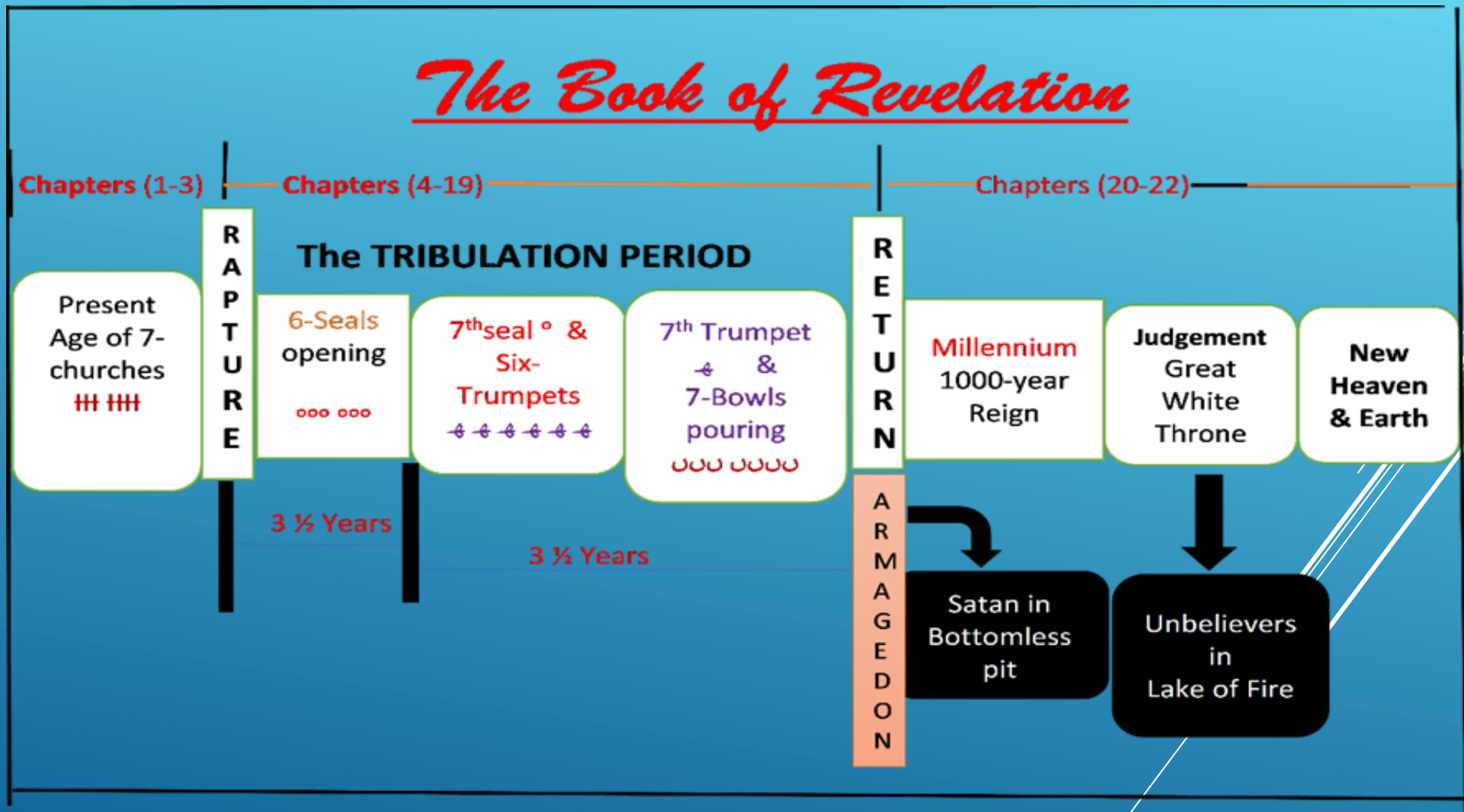

The Book of Revelation
Chapters (1-3)
Chapters (4-19)
Chapters (20-22)
The TRIBULATION PERIOD
RAPTURE
Present Age of 7-churches
6-Seals opening
7th seal & Six-Trumpets
7th Trumpet & 7-Bowls pouring
RETURN
Millennium 1000-year Reign
Judgement Great White Throne
New Heaven & Earth
3 ½ Years
3 ½ Years
ARMAGEDDON
Satan in Bottomless pit
Unbelievers in Lake of Fire

The Prophecies of His coming:

- Daniel foretold the vision of Jesus Coming (Dan.7:13).

मैं ने रात में स्वप्न में देखा, और देखो, मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुंचा, और उसको वे उसके समीप लाए।

- Isaiah prophesied of new heaven and new earth (Isa.65:17ff).

क्योंकि देखो, मैं नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करने पर हूं, और पहिली बातें स्मरण न रहेंगी और सोच विचार में भी न आएंगी।

- Jesus Himself said: “When the Son of man shall come in His glory…..(Matt.25:31).

जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और सब स्वर्ग दूत उसके साथ आएंगे तो वह अपनी महिमा के सिहांसन पर विराजमान होगा।

- Apostle Paul foretold: “keep this command without spot or blame until the appearing of our Lord Jesus Christ” (1 Tim.6:14).

तू हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने तक इस आज्ञा को निष्कलंक और निर्दोष रख।

- The angels said: “Men of Galilee why do you stand here looking into the sky? This same Jesus, who has been taken from you into heaven, will come back in the same way you have seen him go into heaven” (Acts.1:10-11).

और कहने लगे; हे गलीली पुरूषों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।।

Jesus ascension into clouds

- Daniel looked into the future with a telescope and **he could see two mountains**.

दनिय्यल भविष्य में एक दूरबीन के साथ देखा और वह दो पर्वतों को देख रहा था।

- But it was difficult to know the distance between the two mountains.

लेकिन दोनों पर्वतों के बीच की दूरी को जानना मुश्किल था।

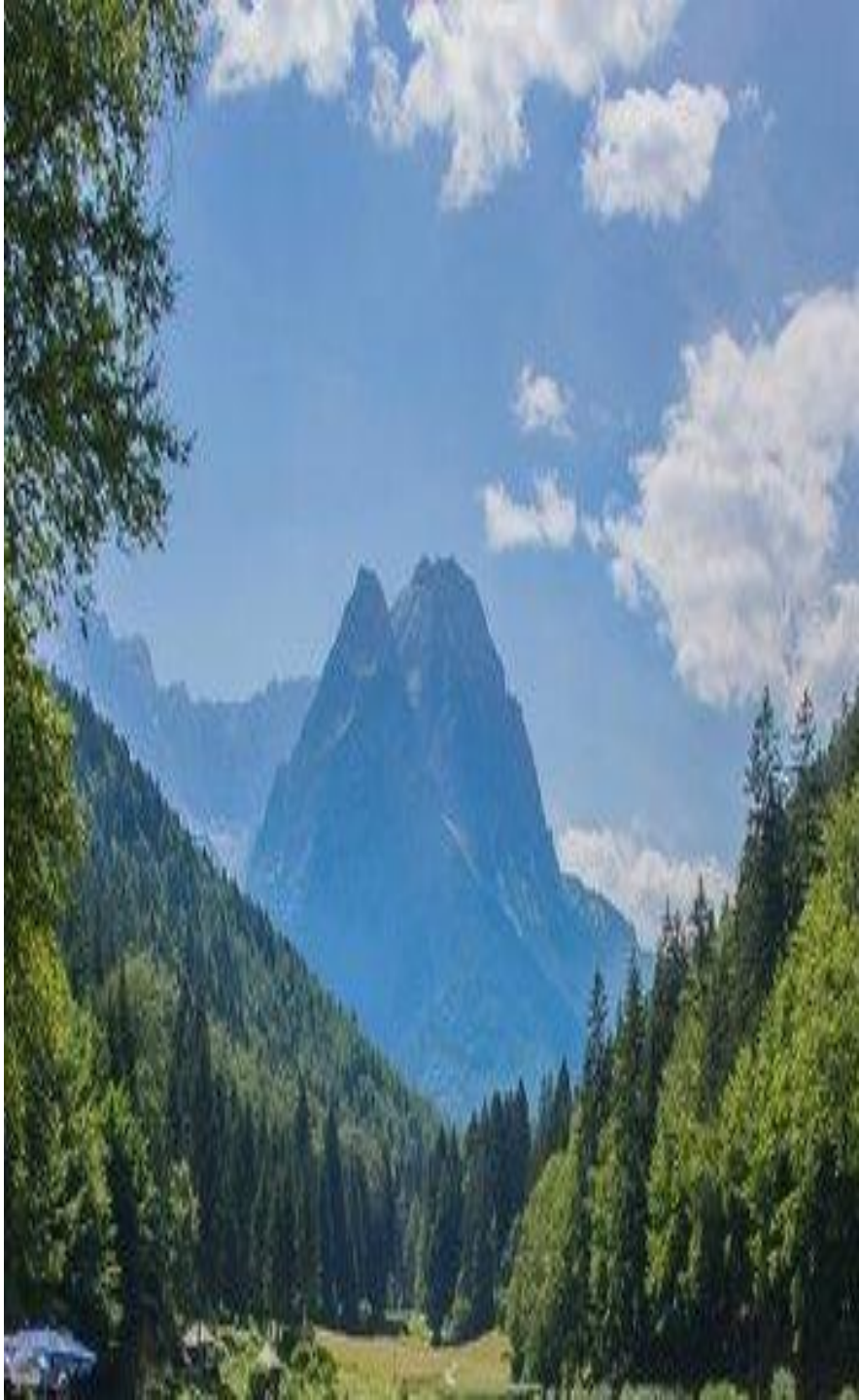

- The first mountain was the **First coming of Jesus Christ**

पहला पर्वत यीशु मसीह का पहला आगमन था और

- **The second one is the second coming of the Lord Jesus Christ.**

दूसरा पर्वत प्रभु यीशु मसीह का दूसरा आगमन है।

The Historical 70th Year of Israel's freedom from slavery by Cyrus and Darius (Dan.9;20-27)

- When Daniel prayed, God not only answered his present crisis but also gave him the promise what is going to happen for the next 2500 years of human history.

जब दानिय्येल ने प्रार्थना की, तो परमेश्वर न केवल उनके वर्तमान संकट का जवाब दिया, बल्कि उन्हें यह वादा भी दिया कि अगले 2500 वर्षों के मानव इतिहास के लिए क्या होने जा रहा है।

- He gave a prophesy of 70-Seven weeks of future plan for human history.
- परमेश्वर ने मानव इतिहास के लिए भविष्य की योजना में 70-सात सप्ताह की एक भविष्यवाणी दी।

- When we sincerely pray with an intercessor prayer, God not only answers our crisis, but reveals His plans for us beyond our expectations.
- जब हम ईमानदारी से एक मध्यस्त प्रार्थना के साथ प्रार्थना करते हैं, तो परमेश्वर न केवल हमारे संकट का जवाब देता है, बल्कि हमारी अपेक्षाओं से परे हमारे लिए उनकी योजनाओं को प्रकट करता है।
- Much of Daniel's revelation of the future, focuses on the Seventieth week: the time of the end, when history is about to experience the **divinely planned culmination.**
- दानिय्येल के भविष्य के रहस्योद्घाटन के अधिकांश, सातवें सप्ताह पर केंद्रित है: अंत का समय, जब इतिहास दैवीय योजनाबद्ध परिणति का अनुभव करने वाला है।

Daniel 9:27

- और वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बान्धेगा, परन्तु आधे सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द करेगा; और कंगूरे पर उजाड़ने वाली घृणित वस्तुएं दिखाई देंगी और निश्चय से ठनी हुई बात के समाप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़ने वाले पर पड़ा रहेगा।।
- He will confirm a covenant with many for one ‘seven. In the middle of the ‘seven’ he will put an end to sacrifice and offering. And at the temple he will set up an abomination that causes desolation, until the end that is decreed is poured out on him.

Daniel’s Telescope

The prophetic 70 Weeks: (Dan.9:20-27)

- Daniel is given the understanding of the future plan for Israel. God will accomplish the total plan for Israel during a specified number of years.

दनिय्य्ल को इज़राइल के भविष्य की योजना की समझ दी गई है। परमेश्वर निर्दिष्ट वर्षों के दौरान इज़राइल के लिए कुल योजना को पूरा करेगा।

- "Seventy sets of seven" for a total of 490 years, beginning with the command to rebuild the walls of Jerusalem (9:24).

यरूशलेम की दीवारों के पुनर्निर्माण के आदेश के साथ शुरुआत करते हुए, 490 वर्षों के लिए "सात के सात सैट"।

दानिय्येल 9;24-27

- तेरे लोगों और तेरे पवित्र नगर के लिये सत्तर सप्ताह ठहराए गए हैं कि उनके अन्त तक अपराध का होना बन्द हो, और पापों को अन्त और अधर्म का प्रायश्चित्त किया जाए, और युगयुग की धार्मिकता प्रगट होए; और दर्शन की बात पर और भविष्यवाणी पर छाप दी जाए, और परमपवित्र का अभिषेक किया जाए।
- सो यह जान और समझ ले, कि यरूशलेम के फिर बसाने की आज्ञा के निकलने से ले कर अभिषिक्त प्रधान के समय तक सात सप्ताह बीतेंगे। फिर बासठ सप्ताहों के बीतने पर चौक और खाई समेत वह नगर कष्ट के समय में फिर बसाया जाएगा।
- और उन बासठ सप्ताहों के बीतने पर अभिषिक्त पुरूष काटा जाएगा: और उसके हाथ कुछ न लगेगा; और आने वाले प्रधान की प्रजा नगर और पवित्रस्थान को नाश तो करेगी। परन्तु उस प्रधान का अन्त ऐसा होगा जैसा बाढ़ से होता है; तौभी उसके अन्त तक लड़ाई होती रहेगी; क्योंकि उसका उजड़ जाना निश्चय ठाना गया है।
- और वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बान्धेगा, परन्तु आधे सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द करेगा; और कंगूरे पर उजाड़ने वाली घृणित वस्तुएं दिखाई देंगी और निश्चय से ठनी हुई बात के समाप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़ने वाले पर पड़ा रहेगा।।

- We can put in this way as 4-periods after the completion of exile.
- Return of Jews to rebuilding of the 2nd Temple - 1st Period. (49yrs)
- Second Temple to the crucifixion of Christ - 2nd Period. (434 Yrs)
- Church Age – Grace period - 3rd Period. (prophetic)
- Tribulation & Great Tribulation - 4th Period. (7 yrs)

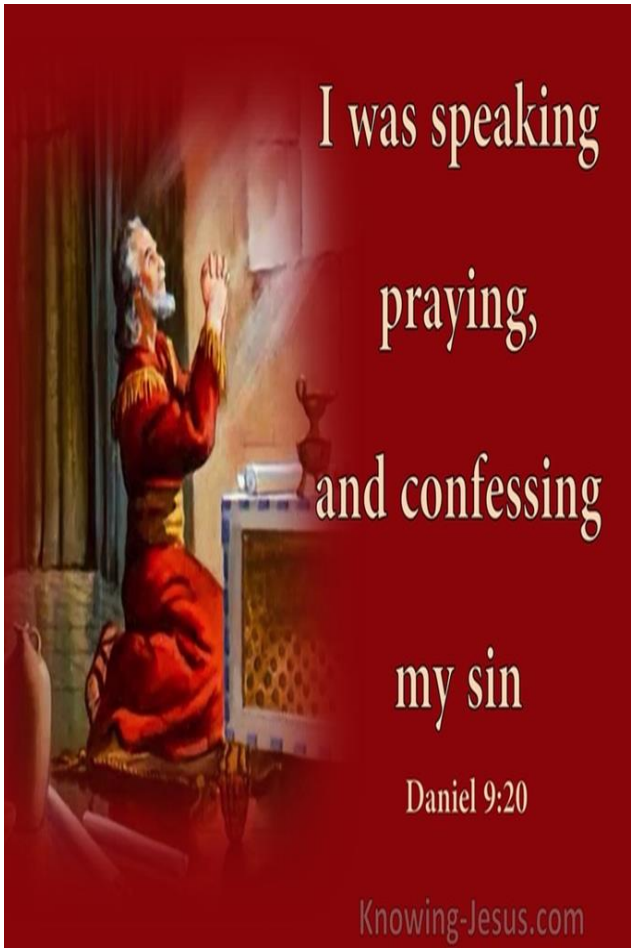

- But Gabriel divided 483 years into two parts-seven weeks (7 x 7 = 49 years), and sixty-two weeks (62 x 7 = 434 years). (Dan.9:25)

लेकिन गेब्रियल ने 483 वर्षों को दो भागों-सात सप्ताह (7 x 7 = 49 वर्ष), और बासठ सप्ताह (62 x 7 = 434 वर्ष) में विभाजित किया।

7x7 + 62x7 + 1x7 = 490 years = 70 sets of 7

- It took forty-nine years to rebuild Jerusalem, and this was done (as Gabriel said) in very difficult times. We read in Nehemiah that restoring the city walls was very difficult.

यरूशलेम के पुनर्निर्माण के लिए उनचास साल लगे, और यह बहुत कठिन समय में (जैसा कि गेब्रियल ने कहा था) किया गया था। हम नहेम्याह में पढ़ते हैं कि शहर की दीवारों को बहाल करना बहुत मुश्किल था।

The Seventieth Week (Dan.9:24-27)

- **The literal 7-year period would be under the Antichrist (Matt.24:15)** prophesy would be fulfilled in the near future. The end will come with a flood, and war and its miseries are decreed from that time to the very end.
- शाब्दिक 7-वर्ष की अवधि Antichrist के तहत होगी (Matt.24: 15) भविष्यद्वाणी पूरी होगी। अंत एक बाढ़ के साथ आएगा, और युद्ध और दुख अंत तक होगी।

- He will make a treaty with the people for a period of one set of seven, but after half this time, he will put an end to the sacrifices and offerings (Dan.9:27)

वह 7-साल अवधि के लिए लोगों के साथ एक संधि करेगा, लेकिन इस समय के आधे के बाद साडे तीन साल के बाद, बलिदान और परमेश्वर की स्थुथी का अंत कर देगा।

- Then as a climax to all his terrible deeds, he will set up a sacrilegious object that causes desecration, until the end that has been decreed is poured out on this defiler." (9:26-27)

फिर अपने सभी भयानक कर्मों के चरमोत्कर्ष के रूप में, घृणित वस्स्तुएँ दिखाई देंगी और निश्चय ही ठनी हुई बात के समप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़नेवाले पर पड़ा रहेगा।

Then after 434 years we come to Messiah. i.e. (7x7 + 62x7 + 1x7).

फिर 434 साल बाद हम मसीहा के पास आते हैं। यानी (7x7 + 62x7 + 1x7)।

Third period, a 7-years (both prophetic and literal).

तीसरी अवधि,7-वर्ष (भविष्यवाणी और शाब्दिक)

- The prophetic 7-year period is the Grace period from the crucifixion of Jesus Christ to the rapture of the Church. We do know how many years the church age would be.

भविष्यवाणी 7-वर्ष की अवधि ईसा मसीह के सूली पर चढ़ने से लेकर कलीसियाँ की अवधि यानी का अनुग्रह समय है। हम नही जानते है अनुग्रह का समय कितना साल होंगे।

- The literal 7-year period divided as 3 ½ tribulation and another 3 ½ great tribulation for the people of Israel which is after the rapture of the Church.
- शाब्दिक 7-वर्ष की अवधि को साडे तीन साल क्लेश के रूप में और साडे तीन साल महा क्लेश मे विभाजित किया गया है यह इजरायल के लोगों के लिए बहुत कटिन समय होंगे।

Daniel's 70-weeks

CHAPTER 9:24-27

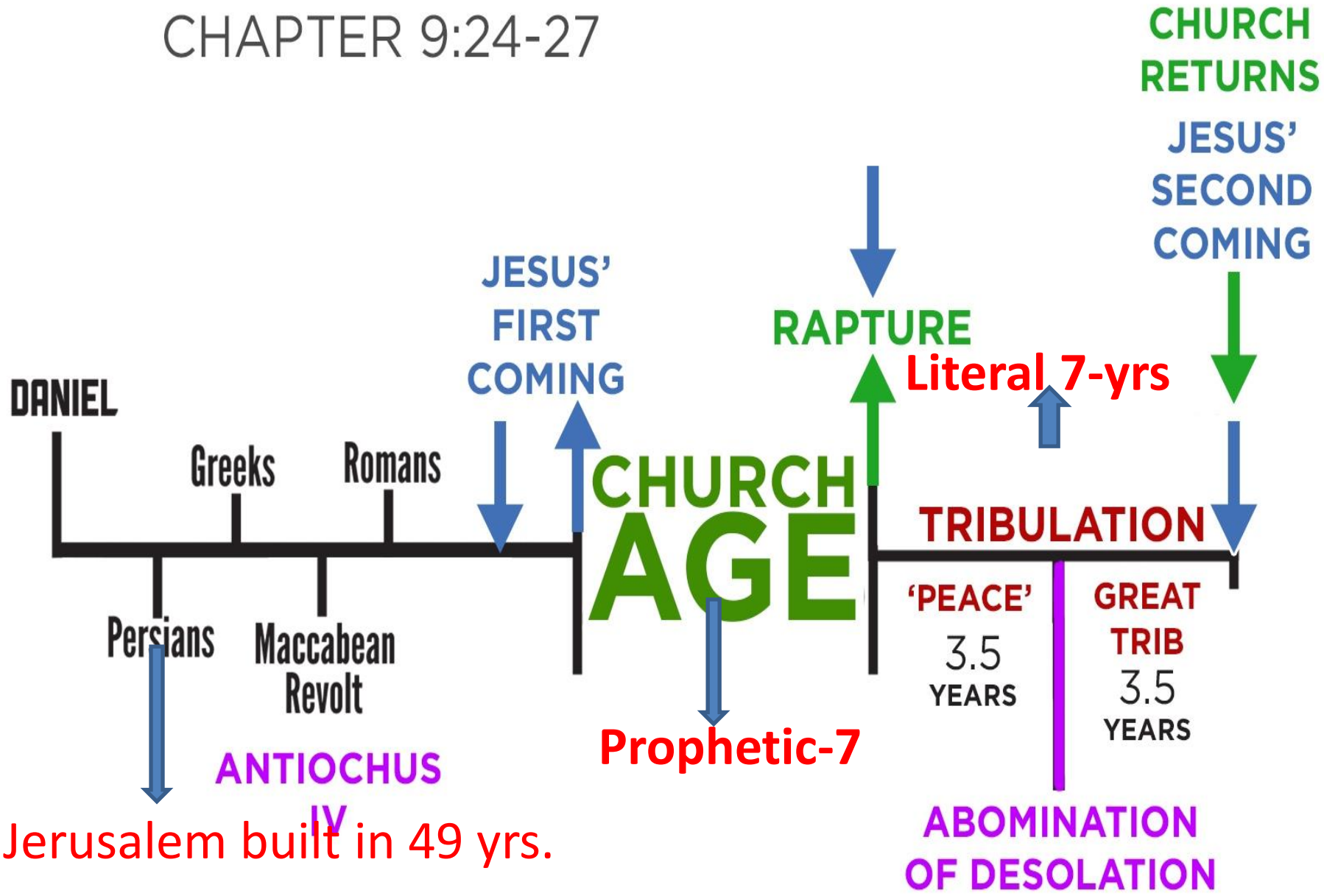

The return of the Lord Jesus Christ is in 2-stages: i) Rapture and ii) Return

Rapture : The church (all living and dead believers) will be caught up in the air to meet the Lord Jesus Christ secretly. The world will not know.

प्रभु यीशु मसीह से गुप्त रूप से मिलने के लिये कलीसिया (सभी जीवित और मृत विश्वासियों) को हवा में उठाया जाएगा। दुनिया को पता नहीं चलेगा।

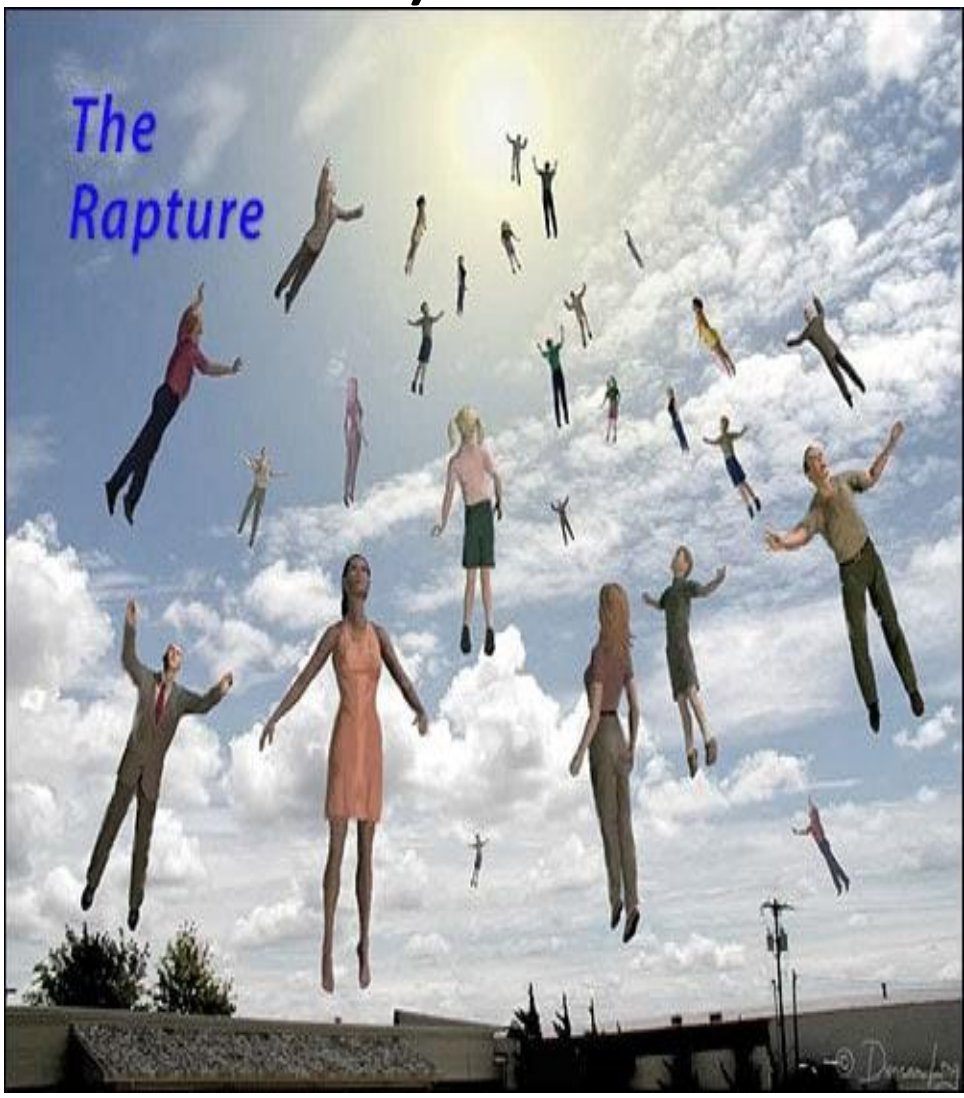

- It is a Greek word (rapturo) which means to snatch or take away. It is derived from (1 Thess.4:17) "Then we who are alive, who are left, will be suddenly caught up together with them in the clouds to meet the Lord in the air.
- यह एक ग्रीक शब्द (रैप्टुरो) है जिसका अर्थ है छीनना या दूर ले जाना। यह (1 थिस्स। 4: 17) से लिया गया है, "फिर हम जो जीवित हैं, जो बचे हैं, अचानक बादलों के साथ हवा में प्रभु से मिलने के लिए एक साथ उठाये जाएंगे।

Rapture

- The word “Rapture” is not written in the entire Bible, then why do we believe? Or preach?
- New Testament was written in Greek, then translated into Latin.
- Rapture is not an isolated fact in the Scriptures.
- God has seen it fit to teach by some of the examples, how He can snatch away those who fear Him.

Enoch

- When Enoch had lived 65 years, he became the father of Methuselah. 22 After he became the father of Methuselah, Enoch walked faithfully with God 300 years and had other sons and daughters. 23 Altogether, Enoch lived a total of 365 years. 24 Enoch walked faithfully with God; then **he was no more, because God took him away. (Gen.5:21-24)**
- By faith Enoch was taken from this life, so that he did not experience death: "He could not be found, because God had taken him away. (Heb.11:5).

- **Rapture is a secret agent**

ELIJAH

- As they were walking along and talking together, suddenly a chariot of fire and horses of fire appeared and separated the two of them, and Elijah went up to heaven in a whirlwind. (2 Ki. 2:11)

➢ We will be caught up in the chariots of clouds

Lot, his wife and two daughters

- When he hesitated, the men grasped his hand and the hands of his wife and of his two daughters and led them safely out of the city, for the Lord was merciful to them (Gen.19:16).

- We will be seized in the Rapture.
- God cannot pour out His indignation until His church is caught up.

John the beloved disciple

- After this I looked, and there before me was a door standing open in heaven. And the voice I had first heard speaking to me like a trumpet said, “Come up here, and I will show you what must take place after this.” 2 At once I was in the Spirit, and there before me was a throne in heaven with someone sitting on it. (Rev.4:1-2)
- The same word is used for Philip caught up in the spirit (Acts.8:39), and (2 Cor. 12:2-4).

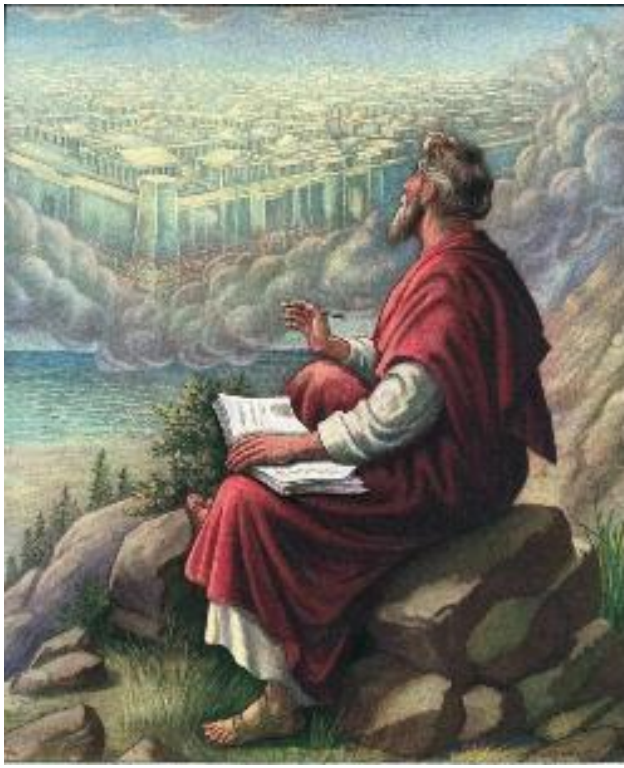

➢ We will be in Heaven in the Rapture.

The time of His coming:

- No person knows the date of His coming. (Matt.24:36).

किसी व्यक्ति को उसके आने की तारीख नहीं पता है। (Matt.24: 36)।

- "Look, I come like a thief! Blessed is the one who stays awake and remains clothed, so as not to go naked and be shamefully exposed" (Rev.16:15, 1 Thess.5:2).

"देखो, मैं एक चोर की तरह आता हूं! धन्य वह है जो जागता रहता है और कपड़े पहने रहता है, ताकि नग्न न जाए और शर्म से सामने आए" (रेव। 16: 15, 1 थिस्स। 5: 2)।

His coming is fixed by the Lord Himself. It is a movable date

"**the Lord is not slow in keeping His promise,** as some understand slowness. Instead He is patient with you, not wanting anyone to perish, but everyone to come to repentance" (2 Pet.3:9ff).

उसका आना स्वयं परमेश्वर ने तय किया है। यह एक अनौखी तारीख है

प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता, कि कोई नाश हो; वरन यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।(2 पेट 3: 9ff)।

- The Gospel should be preached to every person (Matt.24:14).

और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।।

- "And behold, I am coming quickly Blessed is he who heeds the words of the prophecy of this book" (Rev.22:7ff).

देख, मैं शीघ्र आने वाला हूं; धन्य है वह, जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें मानता है।

- "Be dressed in readiness, and keep your lamps lit, and be like men who are waiting for their master to come home from the wedding feast so that they open the door at once when he comes and knocks……" (Lk.12:35-40).

तुम्हारी कमरें बन्धी रहें, और तुम्हारे दीये जलते रहें। और तुम उन मनुष्यों के समान बनो, जो अपने स्वामी की बाट देख रहे हों, कि वह ब्याह से कब लौटेगा; कि जब वह आकर द्वार खटखटाए, तुरन्त उसके लिये खोल दें।……..

- You too be patient; strengthen your hearts, for the coming of the Lord is near. Do not grumble against one another, brothers, so that you may not be judged; behold the judge is standing at the door. (Jam.5:8-9).
- तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है। 9 हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है।

Events preceding the Second Coming of Christ (Rapture)::

- When Jerusalem is surrounded by armies and destroyed (Lk.21:20,24).

जब यरूशलेम सेनाओं से घिरा हुआ है और नष्ट हो गया है

- The appearance of antichrist (2 Thess.2:3-8)

क्रीस्त विरोधी की उपस्थिति य प्रकशन

- The conversion of full number of Israel (2 Cor.3:15, Rom.11:25-29).

इज़राइल की पूर्ण संख्या का रूपांतरण

The mode of His personal coming (Rapture):

- He is coming like a thief (Rev.16:15).

वह एक चोर की तरह आ रहा है (Rev.16: 15)

- He is coming suddenly lest He finds anyone sleeping (Mk.13:36).

वह अचानक आ रहा है, वह किसी को भी सोता हुआ पाता है (Mk.13: 36)।

- He is coming at a time when people are saying peace and safety (1 Thess.5:1).

वह ऐसे समय में आ रहा है जब लोग शांति और सुरक्षा (1 थिस्स। 5: 1) कह रहे हैं।

- "For just as the lightning comes from the east and flashes even to the west, so will the coming of the Son of Man be (Matt.24:27).

"जिस प्रकार बिजली पूर्व से आती है और पश्चिम की ओर भी चमकती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आगमन होगा

- For the coming of the Son of Man will be just like the days of Noah (Matt.24:37-42)

मनुष्य के पुत्र के आने के लिए नूह के दिनों की तरह होगा।

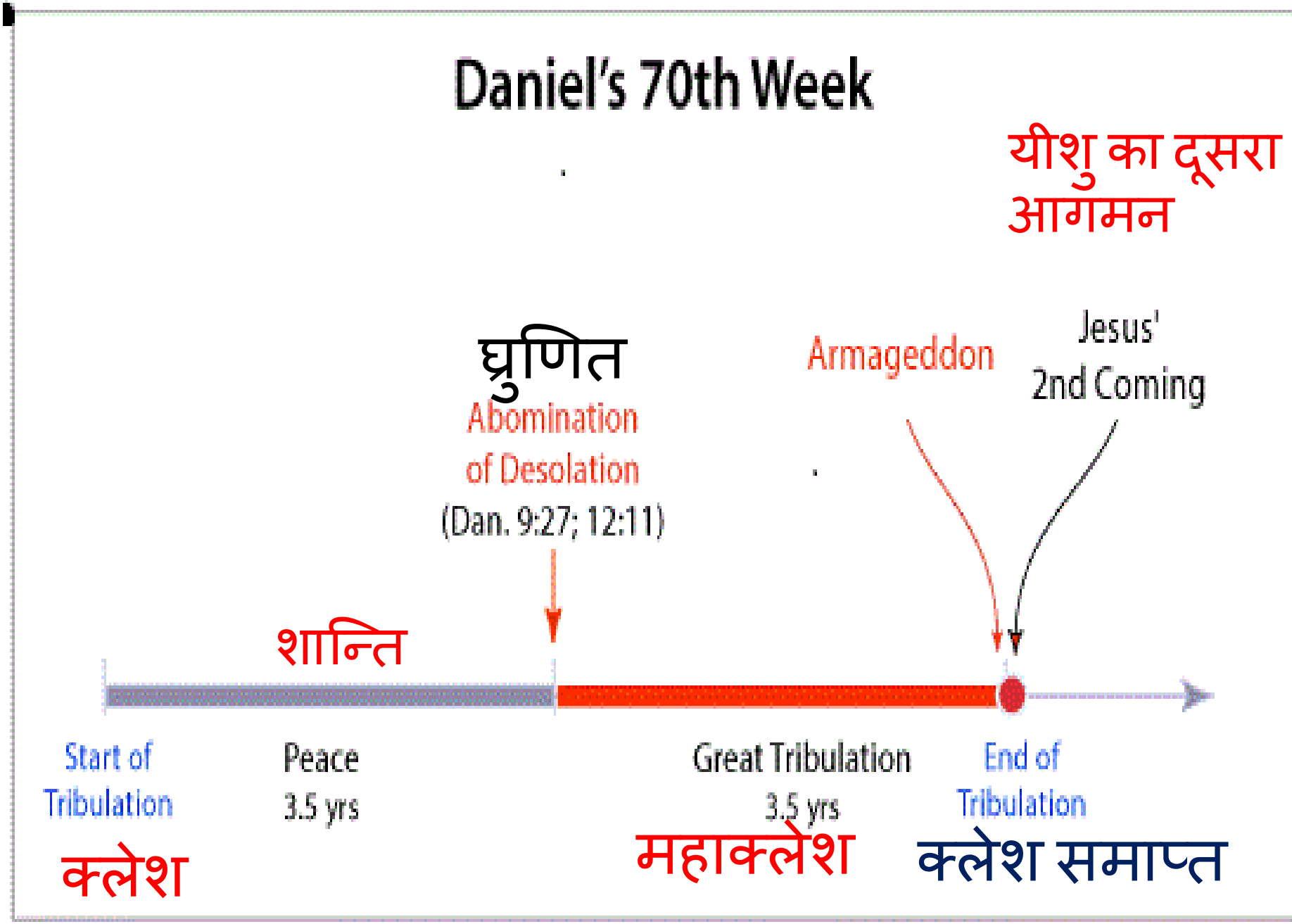
Daniel's 70th Week
यीशु का दूसरा आगमन
घृणित
Abomination of Desolation
(Dan. 9:27; 12:11)
Armageddon
Jesus' 2nd Coming
शान्ति
Start of Tribulation
Peace
3.5 yrs
Great Tribulation
3.5 yrs
End of Tribulation
क्लेश
महाक्लेश
क्लेश समाप्त

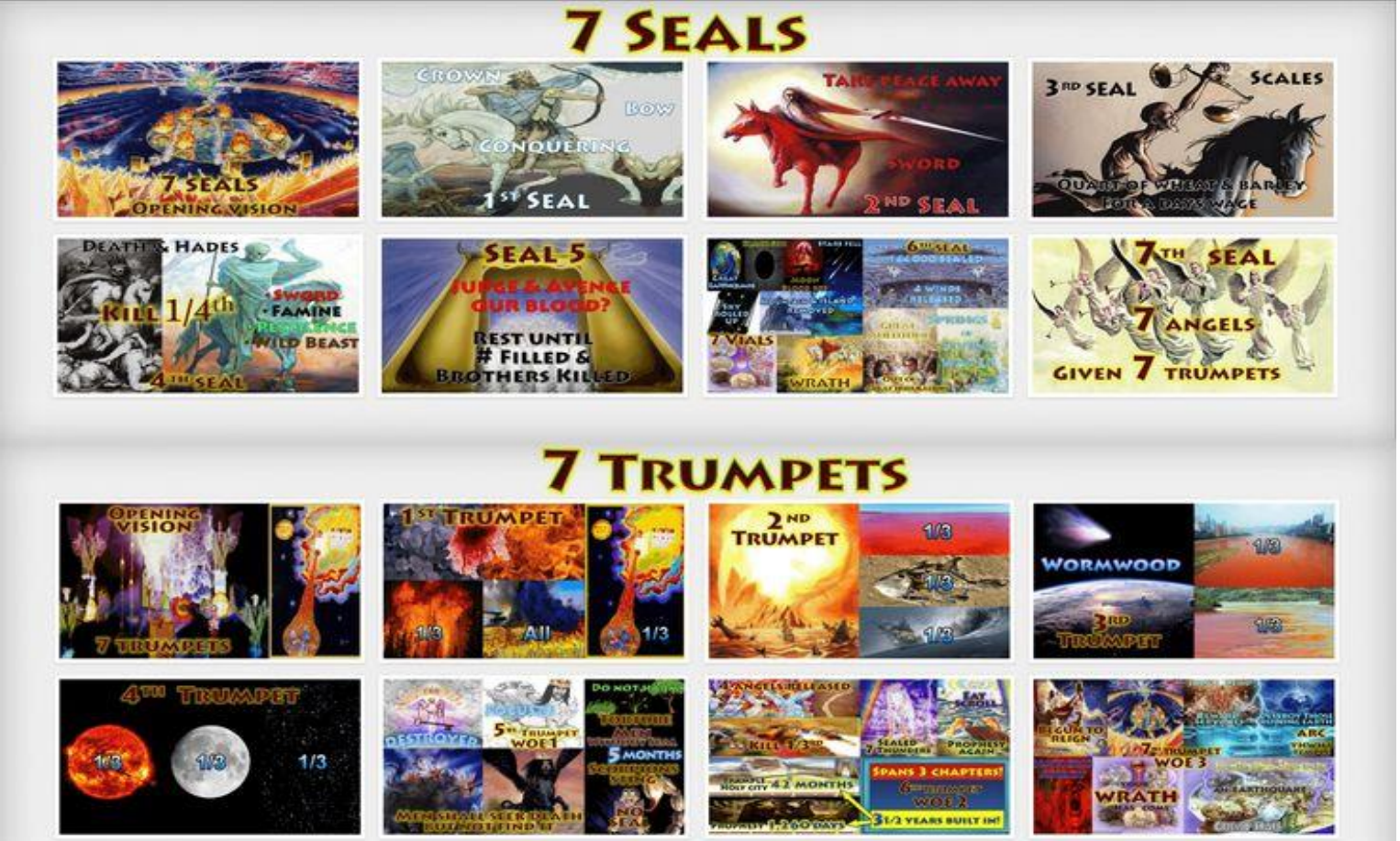

God's wrath or punish-ment for those who are left behind.

7-Years

Return: वापसी

आकाश में प्रभु यीशु मसीह की महिमामय उपस्थिति ताकि हर इंसान उसे देख सके। सभी विश्वासियों को धरती पर उसके साथ उतरना होगा (Zech.14:4).

"देखो, वह बादलों के साथ आने वाला है; और हर एक आंख उसे देखेगी, वरन जिन्हों ने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हां। आमीन।(Rev.1:7; Titus 2:13).

The mode of His public coming (Return):

- He is coming in the clouds (Matt.24:30).

वह बादलों में आ रहा है (Matt.24: 30)।

- In flaming fire to take vengeance on the sinners (2 Thess.1:8).

पापियों पर प्रतिशोध लेने के लिए धधकती आग में डालने के लिये।

- With power and great glory (Matt.24:30).

शक्ति और महान महिमा के साथ (मत्ती २४: ३०)।

- When the Son of Man comes in His glory and all the angels with him then He will sit on His glorious throne.

अपनी स्वयं की महिमा के साथ।

- In the same way as He ascended to heaven (Acts.1:9-11).

उसी तरह जैसे वह स्वर्ग में चढ़ा।

- He is coming with His saints (1 Thess.3:13).

वह अपने संतों के साथ आ रहा है।

- He is coming with His angels (Matt.16:27).
- वह अपने स्वर्गदूतों के साथ आ रहा है ।

The situation of the world before (Rapture):

- Before the Lord Jesus returns there will be terrible times and life will be very hard.

प्रभु यीशु के लौटने से पहले भयानक समय होगा और जीवन बहुत कठिन होगा।

- People would be engaged in terrible sins. There have been people like this all through history.

लोग भयानक पापों में लिप्त होंगे। इतिहास के माध्यम से इस तरह के लोग रहे हैं।

Pride, sloth, anger, lust, envy, greed, gluttony

गमंड, सुस्ती, क्रोध, वासना, ईर्ष्या, लालच लोलुपता

- But in the last days, there will be an increase of high proportion in such evil acts.

लेकिन अंतिम दिनों में, इस तरह के बुरे कृत्यों में उच्च अनुपात में वृद्धि होगी।

- Apostle Paul gives an exhaustive list of end time signs (2 Tim.3:1-7, Matt. 24:5-7)

प्रेरित पौलुस अंत की समय के संकेतों की विस्तृत सूची देता है (2 तीमु। 3: 1-7, मत्ती 24: 5-7)।

- Love for God growing cold

परमेश्वर की प्रति प्यार की कमी।

- Having a form of godliness, but denying the power of God.

ईश्वरत्व का एक रूप है, लेकिन ईश्वर की शक्ति को नकारना।

- Many false prophets, healers, people do magic.
- कई झूठे नबी, चंगाई करने वाले, लोग, जादू करने वाले ।
- Many preachers focus more on prosperity Gospel or convenience Gospel than the plain Evangelism.
- कई प्रचारक सुसमचार के बदले मे समदधि सुसमाचार पर अधिक ध्यानें केंद्रित करते हैं।

- Wars, civil wars, earthquakes, volcano eruptions.

युद्ध, देश के अन्दर युद्ध, भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट।

- Deadly diseases viz. HIV, cancer, plagues, bird flu taking heavy toll and now Covid-19.

ज़ानलेवा बीमारियाँ। एचआईवी, कैंसर, विपत्तियाँ, बर्ड फ़्लू लेने वाले भारी टोल और अब कोविद -19।

- Famine and pestilences.

अकाल और महामारी।

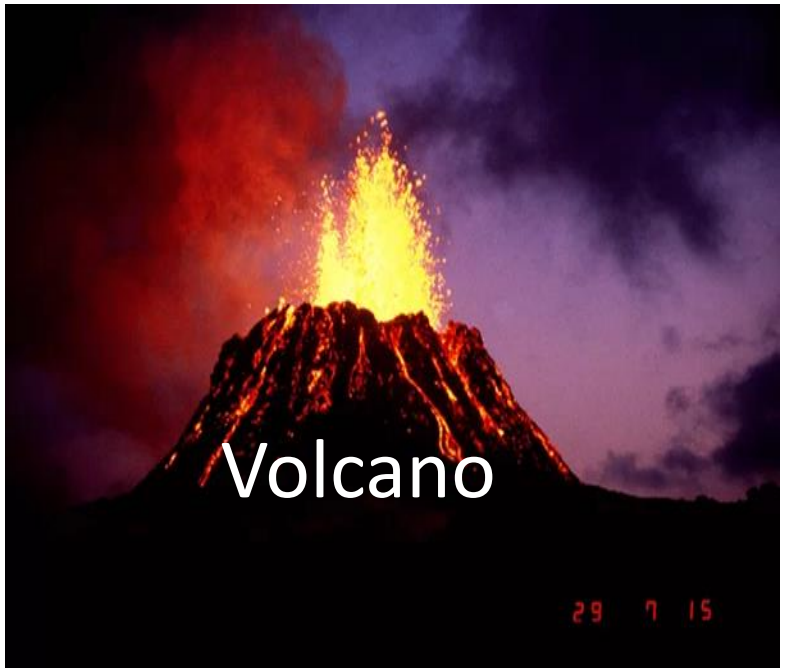

- Boastful, proud, abusive.

घमंडी, गर्व, अपमानजनक।

- Disobedient to their parents, ungrateful.

अपने माता-पिता के प्रति असहमत, कृतघ्न।

- Unholy, unforgiving, slanderous.

अपवित्र, अक्षम, बदनामी।

- Lovers of animals rather than human beings etc.

मनुश्यों से ज्यादा पशुओं से प्रेम करना।

- Lovers of themselves.

स्वयं के प्रेमी। सेल्फ़ी

- Conceited (false pride), perversion

स्वाभिमानि अभिमान, झूठी शान, विकृत कार्य

- Without self-control, brutal, treacherous.

आत्म-नियंत्रण के बिना, क्रूर, विश्वासघाती।

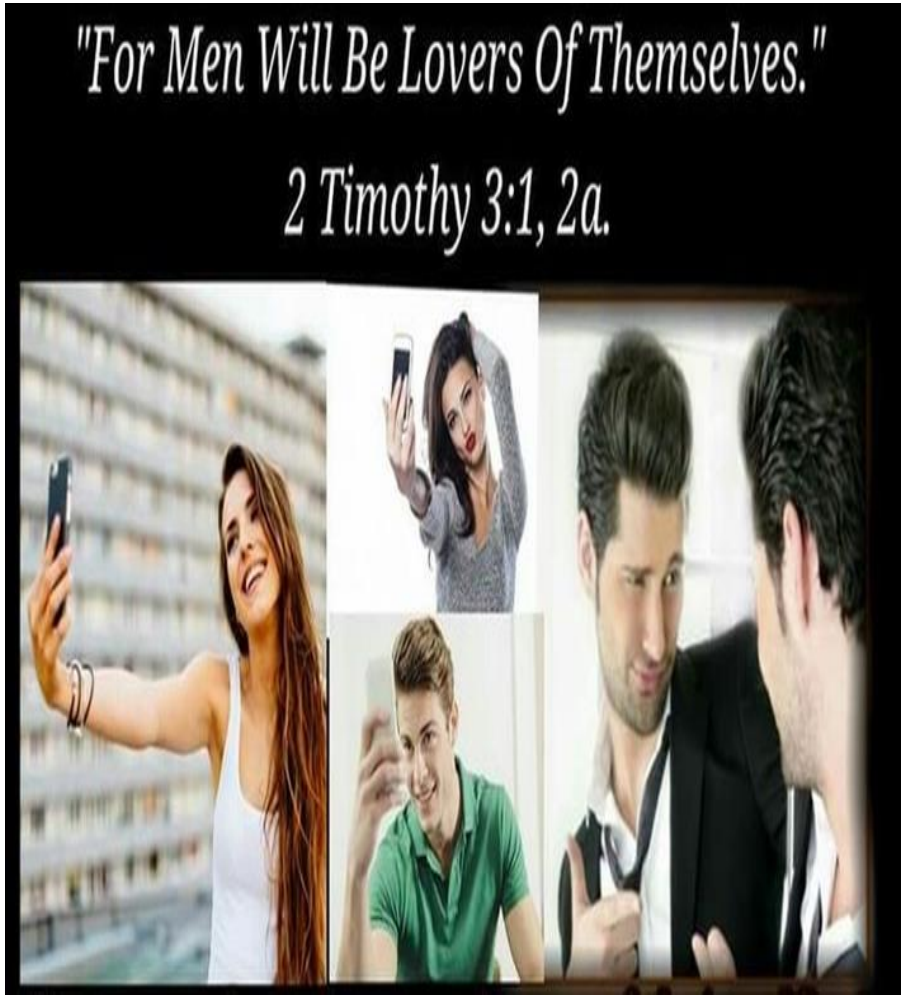

Christ's Return to the world:

- The glorious public appearing of the Lord Jesus Christ in the sky so that every human being would see Him. All the believers will descend with Him to the earth (Zech.14:4).
- In the same way as He ascended to heaven (Acts.1:9-11).
- He is coming with His saints (1 Thess.3:13). And with His angels (Matt.16:27).

The mode of His public coming (Return)

- He is coming in the clouds (Matt.24:30).
- In flaming fire to take vengeance on the sinners (2 Thess.1:8).
- With power and great glory (Matt.24:30).
- When the Son of Man comes in His glory and all the angels with him then He will sit on His glorious throne.

The Ultimate victory: Armageddon(19:17-21)
अंतिम जीत: हर-मगिदोन

- The Apostle John saw an angel standing in the sun which means the worldwide darkness associated with the 5th bowl (16:10) was lifted.

प्रेरित यूहन्ना ने एक स्वर्गदूत को धूप में खड़ा देखा, जैसा 5वें कटोरे (16:10) से जुड़े विश्वव्यापी अंधकार को हटा दिया गया था।

- The sun is again visible. The smoke from Babylon's destruction was visible at a distance (18:9-19).

सूरज फिर से दिखाई दे रहा है। बाबुल के विनाश का धुआँ दूर से दिखाई दे रहा था (18:9-19)।

1000 years एक हजार साल (Millennium) (chap.20)

- The people who were martyred for the sake of Jesus and testimony were given authority to judge. जो लोग यीशु गवाही के लिए शहीद हुए थे उन्हें न्याय करने का अधिकार दिया गया था।
- At the end of 1000 years he is loosened for a short time. (20:1-3) 1000 साल के अंत में वह थोड़े समय के लिए ढीला हो जाता है। (20:1-3)

Great white throne judgement.

स्वेत सिंहासन

- वे सभी लोग जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं हैं, आग की झील में फेंक दिये जायेंगे।
- नरक में जाने वाले सभी लोग विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए शरीर से सुसज्जित होते हैं।
- आग या नर्क की यह झील पहले से ही मौजूद है और शायद वर्तमान में खाली है।

Lake of fire (Hell)

- वे सभी लोग जिन्होंने पहले पुनरुत्थान में भाग नहीं लिया और जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे हैं, उन्हें दूसरी मृत्यु से गुजरना होगा जो आग की झील (नरक) की सजा के अलावा और कुछ नहीं है।
- बाइबल नर्क का वर्णन इस प्रकार करती है जैसे आग की झील ब्रह्मांड के बाहर मौजूद है, (मत्ती 22:13; 2 पतरस 2:17) जहां मनुष्य कभी नहीं मरेगा, लेकिन रोने और दाँत पीसने के साथ आत्मा को पीड़ा होती है (मत्ती 13:42; लूका 13:28)।

What is your response:

- We must say: Come Lord Jesus" (Rev.22:20).

हमे कहना है। हे प्रभु यीशु आ।

- Since His coming is imminent, the believers would respond "Amen, come Lord Jesus."

चूंकि उनका आना बहुत निकट है, विश्वासियों का जवाब होगा "आमीन, प्रभु यीशु आओ।"

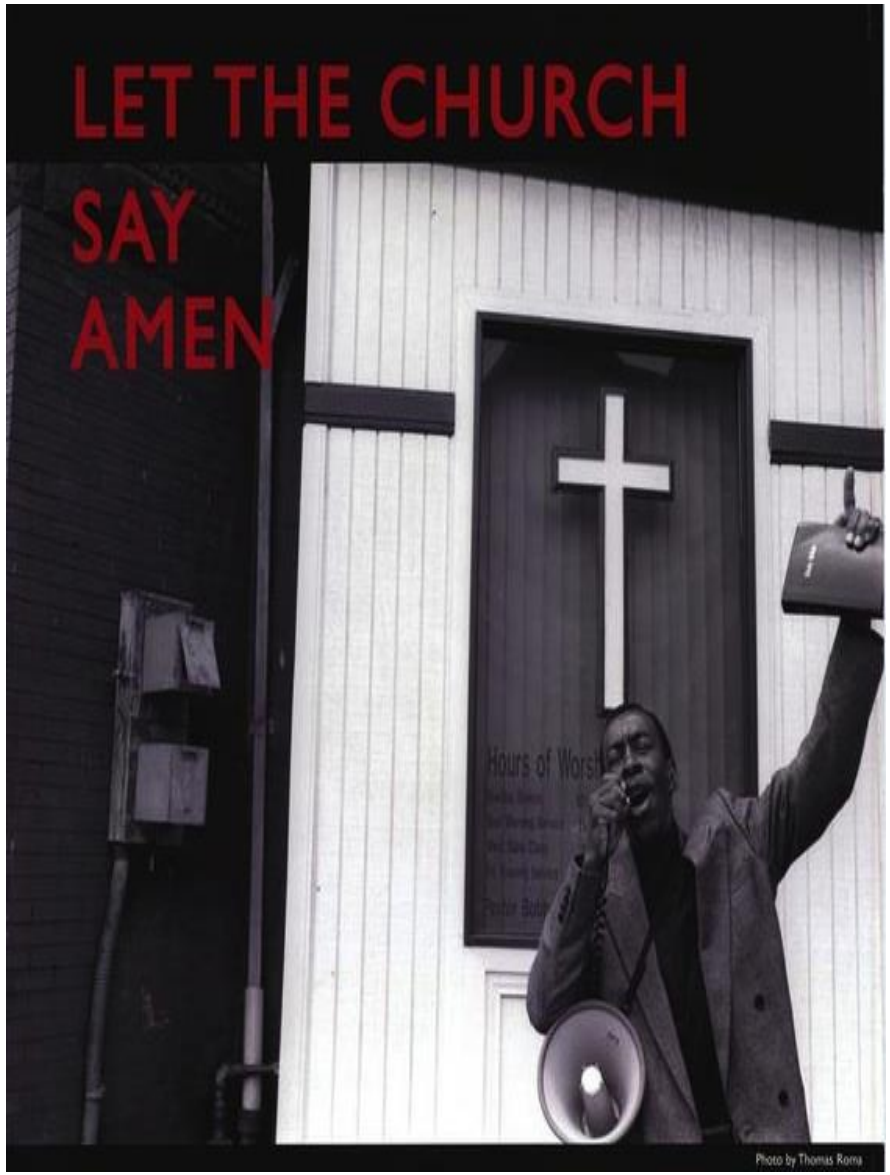

- Those who humble themselves and accept the Lord Jesus will find Him gracious and will be saved from Hell.

जो लोग स्वयं को विनम्र करते हैं और प्रभु यीशु को स्वीकार करते हैं, वे उसे अनुग्रहित करेंगे और नरक से बच जाएंगे।

- Therefore believers must plunge into the evangelistic work, inviting lost sinners, trust Christ and drink the water of life.
- इसलिए विश्वासियों को प्रचारक के काम में तुरन्त जाना चाहिए, खोए हुए पापियों को आमंत्रित करना, उनको प्रभु के पास लाना चाहिए, मसीह पर विश्वास करना चाहिए और प्रभु का जीवन जल उन्हे पिलाना चाहिए।

- Indeed, when the church lives in expectancy of Christ's return, such an attitude provokes missionary and evangelism.
- दरअसल, जबीसिया मसीह की वापसी की बाहठ जोता है,यह मिशनरी और सुसमचार प्रचार करने वालों को प्रेरणा मिलती है।

May God bless you as you look forward to His coming.

For more details, please contact: K. Ravikumar, Mob.8986873994,
Email: katiravikumar@gmail.com

For Power points: Please visit the website:

www.KATIBIBLETITBITS.COM

The purpose of His coming:

- To fulfil the purpose of salvation for His saints.

वह उध्दार क उद्देश्य को पूरा करने के लिए आरहा है।

- He has delivered us from the power and penalty of sins when we were born again and accepted Him as our Personal Saviour.

उसने हमें पापों की शक्ति और दंड से बचाया है जब हम फिर से पैदा हुए थे और उसे हमारे निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया था।

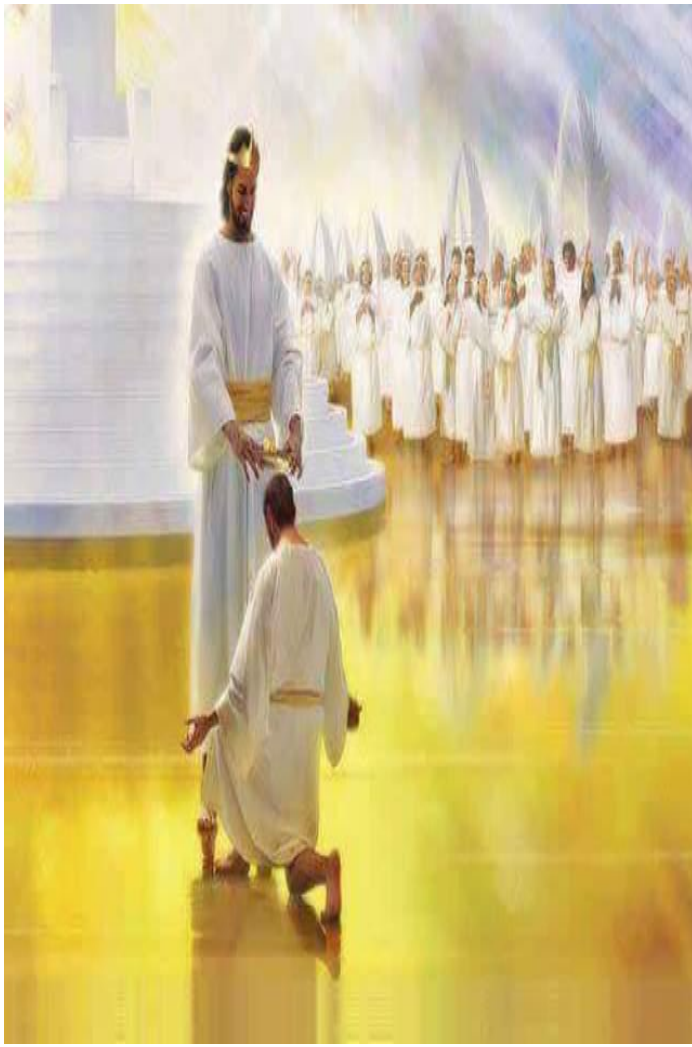

- He will deliver us from the presence of sin too. (Heb.9:28).
- वह हमे पाप कि उपस्थिती से छुडायेगा।
- The Lord would be glorified along with His saints in His second coming. (2 Thess.1:10).

प्रभु की महिमा होगी अपने सन्तों के साथ।

- To give rewards for believers and judgement to un-believers (2 Tim.4:8; 1 Pet.5:4).

विश्वासियों के लिए पुरस्कार देने के लिए और पापि्यो को दंड

- To reign with His children for a millennium and for eternity (Rev.20:4) विश्वासियों के साथ 1000 साल राज्य करेगा।